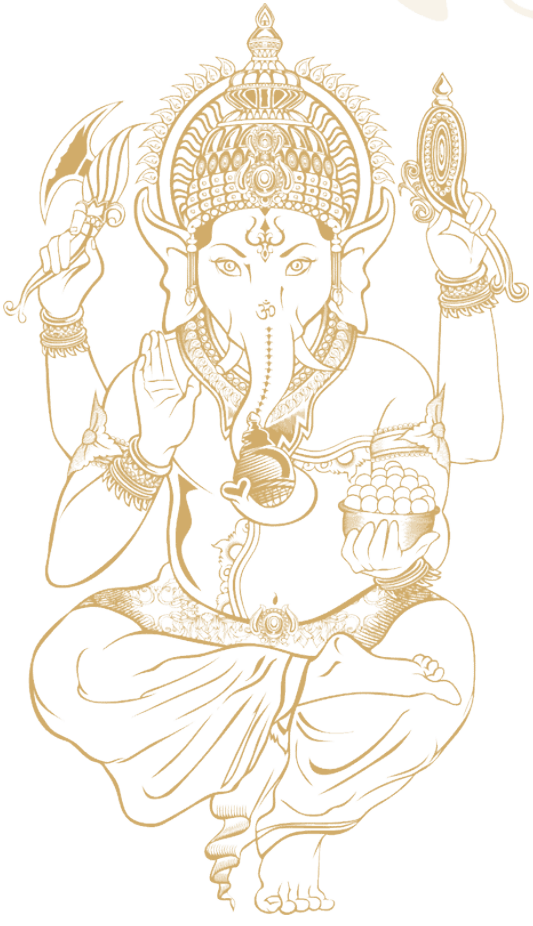

Anand ji

25 Aug 1978

02:30 AM

Akola

Model: web-freekundliweb

Order No: 121186802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/08/1978**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	51:06:29 घटी
स्थान	**Akola**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	20:40:00 उत्तर
रेखांश	77:05:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:08:20 घंटे
वेलान्तर	-00:02:28 घंटे
साम्पातिक काल	00:19:27 घंटे
सूर्योदय	06:03:24 घंटे
सूर्यास्त	18:44:28 घंटे
दिनमान	12:41:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:46:08 सिंह
लग्न के अंश	19:19:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईश्वर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:19:17	321:20:21	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			सिंह	07:46:08	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			वृष	00:28:12	12:30:47	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	उच्च राशि
मंगल			कन्या	19:21:50	00:38:32	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कर्क	27:41:51	00:27:59	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
गुरु			कर्क	04:10:01	00:12:14	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	23:46:49	00:59:38	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि		अ	सिंह	10:04:12	00:07:36	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
राहु			कन्या	03:29:21	00:00:48	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	03:29:21	00:00:48	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			तुला	19:16:01	00:01:45	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
नेप	व		वृश्चि	21:59:23	00:00:06	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	सूर्य	---
प्लूटो			कन्या	21:20:48	00:01:50	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	11:44:20	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:33:32

लग्न-चलित

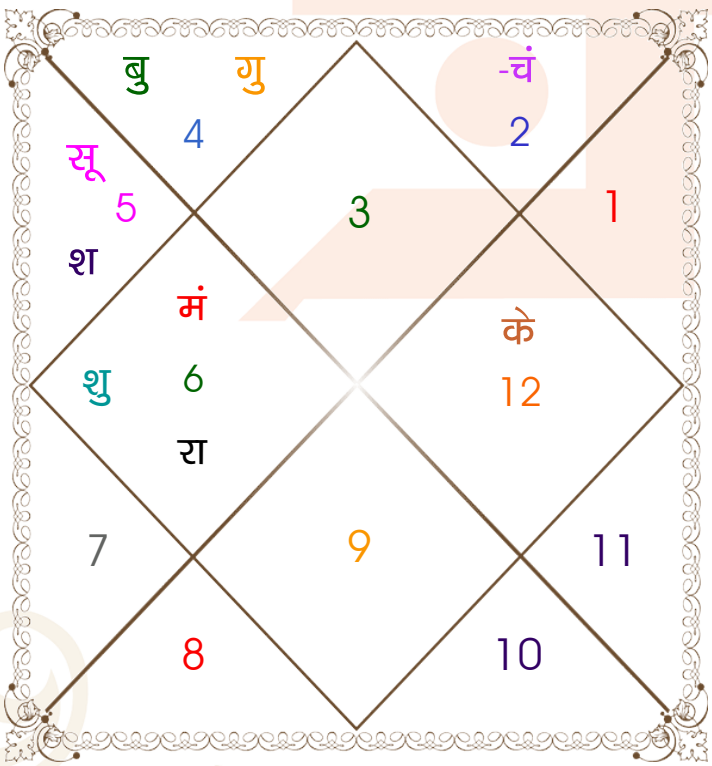

चन्द्र कुंडली

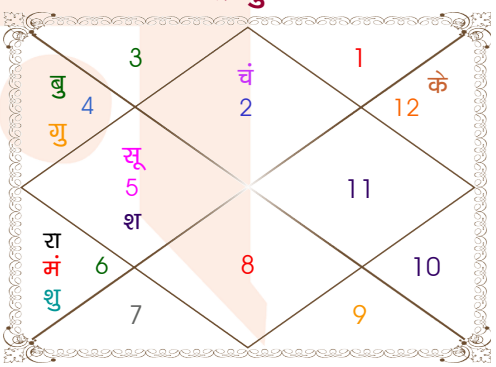

नवमांश कुंडली

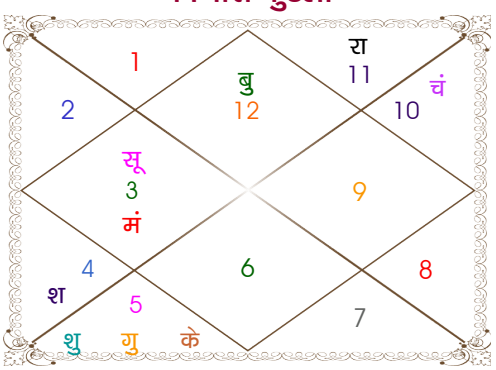

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 3 मास 14 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/08/1978		08/12/1982		07/12/1992		08/12/1999		08/12/2017	
08/12/1982		07/12/1992		08/12/1999		08/12/2017		08/12/2033	
	00/00/0000	चंद्र	08/10/1983	मंगल	06/05/1993	राहु	20/08/2002	गुरु	26/01/2020
	00/00/0000	मंगल	08/05/1984	राहु	24/05/1994	गुरु	13/01/2005	शनि	08/08/2022
	25/08/1978	राहु	07/11/1985	गुरु	30/04/1995	शनि	20/11/2007	बुध	13/11/2024
राहु	26/12/1978	गुरु	09/03/1987	शनि	08/06/1996	बुध	08/06/2010	केतु	20/10/2025
गुरु	14/10/1979	शनि	08/10/1988	बुध	05/06/1997	केतु	27/06/2011	शुक्र	20/06/2028
शनि	25/09/1980	बुध	09/03/1990	केतु	01/11/1997	शुक्र	27/06/2014	सूर्य	08/04/2029
बुध	02/08/1981	केतु	08/10/1990	शुक्र	01/01/1999	सूर्य	21/05/2015	चंद्र	08/08/2030
केतु	08/12/1981	शुक्र	08/06/1992	सूर्य	09/05/1999	चंद्र	19/11/2016	मंगल	15/07/2031
शुक्र	08/12/1982	सूर्य	07/12/1992	चंद्र	08/12/1999	मंगल	08/12/2017	राहु	08/12/2033

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
08/12/2033		07/12/2052		08/12/2069		07/12/2076		07/12/2096	
07/12/2052		08/12/2069		07/12/2076		07/12/2096		00/00/0000	
शनि	11/12/2036	बुध	06/05/2055	केतु	06/05/2070	शुक्र	08/04/2080	सूर्य	27/03/2097
बुध	21/08/2039	केतु	02/05/2056	शुक्र	06/07/2071	सूर्य	08/04/2081	चंद्र	26/09/2097
केतु	28/09/2040	शुक्र	03/03/2059	सूर्य	11/11/2071	चंद्र	08/12/2082	मंगल	01/02/2098
शुक्र	29/11/2043	सूर्य	08/01/2060	चंद्र	11/06/2072	मंगल	07/02/2084	राहु	25/08/2098
सूर्य	10/11/2044	चंद्र	08/06/2061	मंगल	07/11/2072	राहु	07/02/2087		00/00/0000
चंद्र	11/06/2046	मंगल	05/06/2062	राहु	26/11/2073	गुरु	08/10/2089		00/00/0000
मंगल	21/07/2047	राहु	23/12/2064	गुरु	01/11/2074	शनि	07/12/2092		00/00/0000
राहु	27/05/2050	गुरु	31/03/2067	शनि	11/12/2075	बुध	08/10/2095		00/00/0000
गुरु	07/12/2052	शनि	08/12/2069	बुध	07/12/2076	केतु	07/12/2096		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 3 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।